YouTube
@ Shram Shikhar Channel को Subscribe और Share करें

साप्ताहिक समाचार–पत्र

श्रम शिखर

जन–जन के विकास, आनन्द को समर्पित...
स्थापित: 1981

डाक पंजीकरण संख्या: MT- 153-2022-24 RNI NO. UPHIN/2009/31760

श्री कृष्ण भवन (गली प्याऊ वाली), 283/1, वैस्टर्न कचहरी रोड, मेरठ website:www.shramshikhar.in e-mail : shramshikhar@gmail.com

स्वयं का विकास ! देश का विकास ! समृद्ध मानवता !

यूट्यूब/श्रम शिखर पर कार्यक्रम

वर्ष 16 अंक 04 सोमवार, 22 जनवरी से 28 जनवरी, 2024 पृष्ठ 4 मूल्य ₹ 8/-

चिकित्सक–मरीज–तिमारदार हित सुरक्षा आन्दोलन–प्रदर्शनों से नहीं सुलझेगी–चिकित्सक–दवाई निर्माता गठजोड़ टूटना जरूरी

मंहगें गिफ्ट लेने गिफ्ट देने वाली दवाई निर्माताओं की दवाई लिखने के चिकित्सकों व दवाई निर्माता कम्पनियों के गठजोड़ को फार्मा मन्त्रालय व स्वास्थ्य मंत्रालय नीति आयोग के सदस्य रहे वी0के0 पाल की अध्यक्षता की समिति की सिफारिश उपरान्त तोड़ने में कामयाब तो नहीं हुई पर कुछ नियंत्रण अवश्य आया है।

नई समस्या चिकित्सक खुद या किन्ही के साथ मिलकर दवा निर्माता बनकर अपने उत्पाद को ही मरीज को सेवन करने या फिर खुद अपने अस्पताल, नर्सिंग होम या मरीज देखने के स्थान पर ही दवाईयों की उपलब्धता रखकर जिस तरह इलाज को मरीज के इलाज के खर्च को मंहगा बना रहे यह भी भारत राज्य सरकार के लिए कम चुनौती नहीं बनता जा रहा है। इस पर किसी तरह का नियंत्रण नहीं है।

उपहार लेने वाले चिकित्सकों की सूची दवाई उत्पाद करने वाली कम्पनियों से देने की अनिवार्यता पाल समिति की सहमति सिफारिश का अमल अभी जमीन पर नहीं व माकेर्टिंग प्रैक्टिस के यूनिफार्म कोड बदलाव का सुझाव भी अमल की प्रतीक्षा में लगा है।

मेरठ क्षेत्र से जनप्रतिनिधि विधानसभा में नीजि अस्पतालों में मंहगे इलाज व गलत बिलों से मरीजों को लूटने व अस्पतालों द्वारा मानकों के विपरीत अस्पताल निर्माण व इलाज की व्यवस्था के खिलाफ झड़ा उठायें है। यह ही नहीं होल सेलर एंड रिटेलर के मिस्ट्रस एसोसिएशन द्वारा भी पत्रकार वार्ताकर अस्पतालों, क्लीनिकों द्वारा उत्तराखण्ड, हिमाचल आदि में अपनी दवाईया बनवाकर नये दामों पर इन दवाईयों को बेच रहे है आवाज उठाई गई है। उनका कहना है 10 रूपये की दवाई 100 रूपये में दी जा रही है।

इनका सुझाव है दवाओं के मूल्य नियंत्रण हेतु दवा की लगात और विकय की मूल्य के बीच एक और दो अनुपात रख दिया जाए। युवकों के रोजगार बढाने हेतु पुरानी रिप्रेजेटिव परम्परा को पुन कायम कराया जाए।

अखिल भारतीय लोकाधिकार संगठन ने गिफ्ट लेकर दवाईयां लिखने के दवाई निर्माता व चिकित्सक गठजोड़ के साथ चिकित्सक व दवाई निर्माता के बीच दवाई उत्पाद करने कराने का बढ़ता गठजोड़ भी खत्म कराने पर गम्भीरता से प्रयास करना चाहिए।

मेडिकल प्रोटेक्शन कानून की सख्ती के साथ चिकित्सक–अस्पताल–नर्सिंग होम कर्त्तव्य भी....

संगठन का कहना है कि चिकित्सकों व अस्पताल नर्सिंग होम व चिकित्सा सेवा के अन्य संगठन मेडिकल प्रोटेक्शन कानून के सख्ती से अमल कराकर खुद की सुरक्षा कराने के साथ ही उन्हें मरीजों व उनके तीमारदारों के साथ होने वाले आये दिन के इलाज के नाम पर छलावें, गलत बिल, पूरी जानकारी न देने तथा अन्य तरीकों से उत्पीड़न, लापरवाही की घटनाओं को आईएमए व अन्य चिकित्सा से जुड़े संगठन व लोग संज्ञान लेकर उन्हें भगवान का स्वरूप मानने वालों के हितों को भी संरक्षित करें ताकि आकोश उत्पन्न ही न हो तथा प्रोटेक्शन की जरूरत ही न पड़ें।

चिकित्सकों व उनके अन्य सहयोगियों व मरीज व उनके तिमारदारों में अधिक संख्या समझादारों की है। चन्द असमझदार व अराजक मानसि. कतर के अधिक समझदारों पर हावी होने में लगे है इसके लिए एक दूसरे के दोष देखनें के स्थान पर स्वंय में झांकना अधिक जरूरी है।

आन्दोलनों,सड़क या धरना प्रदर्शन से न सुरक्षा मिलने वाली है नहीं अस्पतालों, नर्सिंग होम या चिकित्सक उनके स्टाफ व मरीज के तिमारदारों या उनके हिमायतियों की समस्या का समाधान। यह तो स्वंय में आत्म चितंन कर एक दूसरे की समस्याओं को समझने सौहार्द मनाणा से ही संभव है।

श्रम ब्यूरों

बिजली खण्ड कार्यालय क्षेत्रों में ही रखने की मांग, पेशन चिकित्सा कार्य परीक्षण खण्ड स्तर पर रखा जाए

उ0प्र0 पावर कारपोरेशन अध्यक्ष के द्वारा बिजली के क्षेत्रीय अधिकारियों से उपभोक्ताओं के अधिकाधिक निकट पहुंचने एवं संवाद व उनकी समस्याओं के अधिकाधिक सुनवाई का अवसर देने के निर्देश के दृष्टिगत विद्युत उपभोक्ता एवं उद्योग–व्यापारिक संगठनों ने बिजली अधिकारियों से विद्युत कार्यालयों को क्षेत्रों में ही रखने की मांग की है।

इस मांग के संदर्भ में गत दिनों परतापुर, मोहिउद्दीनपुर आदि के क्षेत्र के उद्यमी व अन्य विद्युत उपभोक्ताओं व संगठनों ने पश्मिांचल विद्युत वितरण निगम प्रबन्धक से उनके क्षेत्र के विद्युत वितरण खण्ड प्रथम को विक्टोरिया पार्क से परतापुर भेजने की मांग की है। बताया जा रहा है की प्रबंध निदेशक द्वारा इस मांग पर क्षेत्रीय अधिकारियों को प्रस्ताव तैयार करने की कहा है।

सरधना व दौराला क्षेत्र का विद्युत वितरण खण्ड भी विक्टोरिया पार्क में ही दशकों से बना हुआ है। इस खण्ड इकाई को भी क्षेत्र में भेजने की मांग अनेक बार हो चुकी है। क्षेत्र में विधायक रहे भाजपा नेता ठा. संगीत सोम अपने विधायक काल में यह मांग कर चुके है।

सरधना, दौराला व परतापुर मो. हिउद्दीनपुर क्षेत्र मेरठ महानगर 2031 की योजना में नई टाउनशिप व औद्योगिक विकास की प्रस्तावित योजना में है अतः इन क्षेत्र के बिजली दफ्तरों का इन क्षेत्रों में होने समय की मांग है।

संयुक्त व्यापार समिति महामंत्री विपुल सिंहल ने प्रदेश सरकार व अध्यक्ष उ0प्र0 पावर कारपोरेशन के विद्युत उपभोक्ता के अधिकाधिक निकट पहुंचने की नीति अर्न्तगत बिजली खण्डों उपखण्डों का क्षेत्रों में ही होना जरूरी है इसकी मांग की है। इनका कहना है कि विक्टोरिया पार्क नहीं किठौर, शाहजहांपुर क्षेत्र का खण्ड चतुर्थ है इससे भी गढ रोड पर भेजा जाना जरूरी है।

विद्युत मजदूर उ0प्र0 पेशन प्रकोष्ट ने विद्युत वितरण खण्ड प्रथम में बिजली आपूर्ति एवं राजस्व संग्रह के अत्यधिक कार्य के कारण इस खण्ड से संबंधिंत पेंशन व चिकित्सा क्लेम सेवा निवृत व परिवार पेशर्नस के परीक्षण खण्ड को कार्य सौपनें की लिखित मांग प्रबंध निदेशक पश्चिमांचल से की है। अध्यक्ष उ0प्र0 पावर कारपोरेशन को भी लिखित अवगत कराया है। प्रदेश में विद्युत परीक्षण खण्डों के स्तर पर यह कार्य हो भी रहा है।

मेरठ जनपद में रेडक्रास व नागरिक सुरक्षा संगठन की सक्रियता कब बढ़ेगी

वर्ष 2023 में मेरठ जनपद में रेडक्रास सोसाइटी का चुनाव जहां चर्चा में रहा वहां वर्तमान में इस सोसाइटी की कार्यकारणी की निवर्तमान सोसाइटी की भांति निष्कर्यता भी कम चर्चा में नहीं है। वर्तमान में रेडक्रास की कमान अजय मित्तल को मिली हुई है।

इस सोसाइटी का चुनाव व हर तीन वर्ष में एक बार होने वाले चुनाव में पदाधिकारी व कार्यकारणी सदस्य बनने की होड़ व इस चुनाव में चुनाव लड़ने वालों के द्वारा चुनाव लड़ने के लिए किए जाने वाला खर्चा कम चर्चा में नहीं रहता है। चर्चा तो यह है कि निस्वार्थ सेवा करने वाली इस संस्था के पदाधिकारी व सदस्य बननें की होड़ के कारण क्या है। वर्तमान से लाभकारी संस्था व पद के चुनाव की होड़ तो देखी है पर निस्वार्थ सेवा मान से अपना खर्च कर सेवा पाने वाली इस संस्था में चुनाव खर्च लगातार बढ़ने के पीछे लगाव की वजह कोई न कोई तो होगी।

यह सच है कि इस संस्था के आय कोष में धन काफी है। इस संस्था में स्कूलों से फीस के साथ रेडक्रास के लिए भी पैसा स्वास्थ्य सेवा हेतु एकत्र होता है यह धन खर्च हिसाब किताब में तो हो नहीं पाता है। स्कूलों में स्वास्थ्य चैकअप या स्कूलों आदि में चिकित्सा बाक्स अपेक्षा अनुरूप व्यवस्था व उसकी निगरानी दिखती नही है।

इसके अलावा ब्लड डोनेशन शिविर का यदाकदा सुर्खिया दिखती है। शास्त्री काल में इस के अलावा इस सोसाइटी की गतिविधि दिखती नहीं है।

हालत नागरिक सुरक्षा संगठन की सी दिखती है

जनपद में आपातकाल स्थिति में जिला प्रशासन व नागरिकों के बीच सामजस्य बनाकर नागरिक हित राष्ट्रहित सर्वोपरि रखते कार्य करने हेतु नागरिक सुरक्षा संगठन के प्रदेश के कुछ राज्यों में है इसकी गतिनिधि 6 दिसम्बर प्रत्येक वर्ष स्थापना दिवस या चंद धार्मिक, सामा. जिक कार्यो में पुलिस फोर्स का सहयोग करने के अलावा अन्य सेवा दायित्व होते नहीं दिखता है ऐसा ही रेडक्रास सोसाइटी की गतिविधियां भी नगव्य दिखती है।

पडोसी राज्य हरियाणा में रेडक्रास भ्रूण हत्या रूकवाने व महिला पुरूष अनुपात सुधार व सरकारी योजनाओं का जरूरत मंद को दिलाने में उल्लेखनीय सेवा देते दिखता है। वहां दिल्ली में नागरिक सुरक्षा संगठन वार्डन यातायात व्यवस्था में महत्वपूर्ण भागीदारी निवर्हन कर रहे है। उ0प्र0 में यह संगठन कब सकिय होगे। नागरिक सुरक्षा संगठन के तो मुख्य वार्डन गत 8 वर्ष से बदले ही नहीं गए है फिर सकियता बने तो कैसें।

इच्छाओं और जरूरतों का समाधान
हिन्दी साप्ताहिक श्रम शिखर CITY MEERUT CLASSIFIED
www. shramshikhar.in, shramshikhar@gmail.com

BUSINESS
व्यापार परिचय :– व्यापारिक विज्ञापन हेतु आवश्यकता/ उपलब्धता

सम्पादकीय

रेलवे की बेहतर व्यवस्था में विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार व्यवस्था– काश बिजली महकमा अपनायें

भारत सरकार का रेलवे सरक. ारी वाणिज्यक व्यवस्था का विभाग इन दिनों नई उचाईयां छू रहा है। रेलवे में हर स्तर पर नवीन तकनीकी का अधिकाधिक इस्तमाल करते हुए सार्वजनिक क्षेत्र की परिवहन सेवाओं में हवाई व अन्य स्तरों के वाहन सेवाओं से प्रेरक प्रतिस्पर्धा करते हुए नये कीर्तिमान एंव एक से एक बेहतर सेवाओं की ओर अग्रसर है।

विशेष रूप से गत दस वर्षों में रेलवे द्वारा बीमारू हो चले रेलवे को उपभोक्ता सेवाओं को दर बढाकर नहीं बल्कि दर वृद्धि बढाकर सेवाओं को बेहतर व घाटे से पार पाने के स्थान पर सेवाओं की बेहतरी, भष्टाचार पर नियंत्रण एवं घाटे या खराब सेवाओं के खर्चे कर आकलन कराते हुए बेहतर से बेहतर सेवाएं देकर रेलवे घाटे से उबर कर संतोषजनक स्थिति में है।

रेलवे बेहतरी हेतु बेहतर सेवाएं देने वाले अपनों को विशिष्ट रेल सेवा पुरूस्कार....

रेलवे मे इस बेहतर सेवाओं को बढाने में रेलवे में प्रतिवर्ष विशिष्ट रेल सेवा पुरूस्कार समारोह में देकर मण्डल–यूनिटों में अलग–अलग कार्य क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित करने की नीति अर्न्तगत प्रोत्साहित करना भी है।

वर्ष 2023 के यू0पी0 रेलवे का यह समारोह उत्तर पश्चिमी रेलवे का जयपुर (राजस्थान) के उत्सव भवन उत्तर रेलवे अधिकारी क्लब जगतपुरा में 68 वां समारोह हुआ इसमें 69 अधिकारी कर्मचारी को सम्मानित करते हुए शील्ड आदि दी गई। इसके अलावा 15 ग्रुप पुरूस्कार भी दिए गए।

उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के अनुसार 57 राजपत्रित व 12 अराजपात्रित कर्मचारी सम्मानित हुए। 7 रेलवे कर्मियों को उत्तर पश्चिम रेलवे महाप्रबंधक अमिताभ द्वारा अपने हाथों से सम्मानित किया गया।

रेलवे मण्डलों में 32 को उत्कृष्टता शील प्रदान की गई। अजमेर मण्डल को महा प्रबंधक उत्तर पश्चिम रेलवे की सम्पूर्ण कार्य कुशलता शील्ड दी गई।

श्रम शिखर से बातचीत में समारोह में मौजूद रेलवे के अरा. जपत्रित कामगारों में कुछ का कहना था कि अराजपत्रित की इस पुरस्कार में संख्या अधिकारी से कही अधिक कम है। अधिकारी की उत्कृष्टता कार्य की भी अधीनस्थ से ही होती है। अरापत्रित कही अधिक जोखिम व साधनों की कमी में बेहतर सेवाएं देते है इस कारण अराजपत्रित की संख्या अधिक होना ही चाहिए।

सुझाव तो यह भी रहा....

रेलवे की बेहतर सेवाएं बढाने में रेलवे स्टाफ के साथ आम नागरिक व रेलवे में सफर करने या रेलवे की आय वृद्धि कर्ता अथवा माल रेलवे से भिजवाने वाले अनुकरणीय भागीदार होते है। रेलवे प्रबंध को पुरूस्कार समारोह का ऐसे स्तरों को भी भागीदार बनाना उचित होगा। रेलवे सेवाओं को बढाने, रेलवे में भष्टाचार उजागर कराने व सुरक्षा आदि स्तर पर आम नागरिक व यात्री जान तक दे देते है। प्रेरक घटना व सम्मान देकर ऐसे प्रयास प्रोत्साहित होने ही चाहिए।

बिजली प्रबंधन है जो की बिजली दरें व अन्य सेवा दरें बढाकर घटाा पूर्ति नीति रखे है

देश की बिजली व्यवस्था है जिसमें केन्द्र सरकार स्तर पर बिजली उत्पादन व्यवस्था तो है, पर वितरण एवं प्रसारण व्यवस्था राज्य स्तर की व्यवस्था है। राज्य स्तर पर यह व्यवस्था अधिकांश तो बीमाएं या फिर निजी क्षेत्र की फ्रेचांइजी में है। इस सबके बावजूद व्यवस्था अधिकांश राज्यों में बीमारू है समय समय पर सरकार के घाटा पूरा करने के बाद भी पुनः भारी घाटे में रहती रही है।

उ0प्र0 सहित अधिकांश राज्यों में बिजली को राजनीतिक दलों के मतदाता लोक लुभावना हथियार बनाये हुए है। कही यूनिट फी तो कहीं बिना मीटर बिजली धार्मिक स्थलों व खुले बिल मीटर्स बिजली सीधे इस्तमाल। किसानों को कुछ राज्यों में बिजली नलकूप को मुफ्त बिजली आपूर्ति। इस न सबका नतीजा बिजली व्यवस्था बीमारू होना है।

इसके बाद बिजली तंत्र राज्य स्तरों पर बिजली सेवाओं का चार्ज व बिजली दरों की दरें लगातार बढ़ाते रहा है। विद्युत उपभोक्ता सेवा समिति का मानना है कि रेलवे की भांति दरें बढाकर घाटा पूरा करने के स्थान र नियत दरों का सही व समय पर भुगतान बिजली तब करालों का मोदी संकल्प तो तब ही सम्भव है।

रेलवे की भांति विशिष्ट सेवाएं व सेवा देने वाले सम्मानित खुले में बिजली महकमा करें

रेलवे की भांति उत्कृष्ट सेवा एंव सुझाव देने वाले बिजली विभाग सम्मानित की व्यवस्था बने ताकि बिजली व्यवस्था बेहतर बढाने का प्रयास होना चाहिए। बिजली महकमा भी एक आद्यौगिक वाणिज्यक व्यवस्था है। इसमें भी विशिष्ट सेवा प्रदान्ता व सामूहिक प्रयासों को सम्मानित करने की नीति है परन्तु इसका कियावयन रेलवे की भांति प्रेर. कता देने वाला प्रयास नही रहा है। दण्डात्मकता उसमें भी दिखावा अधिक वास्तविकता कम होती है।

इसका हल्ला का जोर पर बेहतर सेवाएं सुझाव या जन सहयोग का उत्कृष्ट भागीदारी को कमी आम चर्चा होते नहीं दिखती है। इस विभाग में घाट के लिए विभाग स्वयं के कार्यो नीतियों मे न झाककर दूसरों को जिम्मेदार रखकर दर व सेवा शुल्क वृद्धि से घाटे की पूर्ति करने में कही अधिक रूचिकर रहता है दिखता रहे है। आयकर, रेलवे आदि की भांति दरें व शुल्क कम रखकर अधिकाधिक भागीदारी व वसूली को बढाकर भी घाटे पर नियंत्रण की नीति रख सकता है।

भारत में वरिष्ठ नागरिको के लिये विशेष सुविधाए..

ड्राइविंग लाइसेंस डॉ.से सर्टिफिकेट लेकर बड़ी उम्र में भी मिलता है।

नेशनल इंश्योरेंस कंपनी आदि 80 वर्ष तक कवर देती हैं।

रेलवे की छूट विचाराधीन है।

.60 वर्ष से ऊपर 3 लाख व 80 साल से ऊपर 5 लाख रु.तक आय, करमुक्त है।

.80D में 50 हजार रू तक बीमा प्रीमि. पर व गंभीर बीमारी में 60 से 80 हजार रु तक छूट मिलती है।

.FD पर अधिक प्रधानमंत्री वय वंदन योजना और वरिष्ठजन बचत स्कीम में सर्वाधिक ब्याज मिल रहा है।

.केंद्र की सोशल जस्टिस मिनिस्ट्री पुनरू रोजगार दिला रही है,

.बेसहारा वृद्धों हेतु पेंशन व राज्य सरकार के वृद्धआश्रम हैं,

.ई संजीवनी पोर्टल पर मुफ्त चिकित्सा परामर्श,

.मात्र 20ः मूल्य पर प्रधान मंत्री औषधि केंद्र पर दवाएं मिल रही है।

.सुरक्षा व शीघ्र सहायता हेल्पलाइन 145 67,घर बैठे FIR कराने को UPCOP एप ।

. उत्कृष्ट समाजसेवा करने वालों के लिए वयोश्रेष्ठ सम्मान में लाखों रुपए के पुरस्कार हैं।

.मातापिता व वरिष्ठ नागरिक भरण पोषण अधि नियम,2007 में 2019 के संशोधन से बच्चों में सोतेले, दत्तकपुत्र,बेटी व दामाद भी शामिल है. 10 हजार मासिक भरण पोषण न देने पर जेल व जुर्माने का प्रावधान है।

.बसों में रिजर्व सीट तथा मुख्य रेलवे स्टेशनों व एयरपोर्ट पर व्हीलचेयर की सुविधा है।

सकारात्मक–सूचनात्मक उपयोगी समाचार प्रथम प्रकाशन 2 अक्टूबर 1981 **E-Paper: shramshiikhar.com**
केन्द्र सरकार, राज्य सरकार, उत्तर प्रदेश विद्युत विभाग एवं भारतीय रेलवे से विज्ञापनों हेतु स्वीकृत
डाक– पंजीकरण संख्या–मेरठ
153-2022-2024 RNI No. UPHIN/2009/31760
साप्ताहिक अखबार श्रम शिखर
श्रीकृष्ण भवन (लेन अपोजिट शिव लोक कॉम्पलैक्स), 283/1, वैस्टर्न कचहरी रोड, मेरठ। फोन नं0 **Whatsapp No. 9219660359**

प्रधान सम्पादकः सुनीता रानी 9897373736
प्रबंधकः राकेश गुप्ता 9219660359
बिक्री प्रबंधकः अश्विनी गुप्ता 9358402365
इंटरनेट प्रबंधकः मेघा अग्रवाल 9219660359
संरक्षक : ब्रज भूषण 9457213164
कानूनी सलाहकार : दिनेश कुमार चतुर्वेदी एडवोकेट : 0121–2760145, 09720171549
मार्केटिंग टीम : 9219660359, 9411990449
उ0प्र0 ब्यूरोचीफः अभिलाष गुप्ता 9412203620
प्रभारी दिल्लीः मंजरी गुप्ता, 42 अनामिका एपार्टमेंट इन्द्रप्रस्थ विस्तार पटपडगंज नई दिल्ली–92

श्रम शिखर कार्यालय

मेरठ– श्रीकृष्ण भवन, 283, वैस्टर्न कचहरी रोड, मेरठ। (0121–2641338), **सद्भावना**– 68 ए साईपुरम्, दिल्ली रोड, मेरठ। (9219660359), **उत्तराखण्ड**– श्री राजेश कुमार गुप्ता, श्री ओम वैष्णव भोजनालय, 78 गांधी रोड, देहरादून (9411548998), गाजियाबाद। (09540018282), अमित कुमार, 705 सी टावर, सातवां तल, जी०एच० 1/1, सैक्टर–01, ग्रीन एक्सप्रेस, वैशाली गाजियाबाद, उ०प्र० (09560115905) **दिल्ली**– राखी मित्तल– **एफ–1, त्रवेणी काम्पलेक्स शेख सराय फेस–1 न्यू दिल्ली–110017 मो0 9868511922 हरियाणा**– राखी मित्तल, रीचमण्ड पार्क, डीएलएफ, फेस–4, गुडगांव हरियाणा। **मो0 9868511922 मुजफ्फरनगर**– विजय बुक स्टोर, मेन रोड, गांधी कालोनी, मुजफ्फरनगर। फोनः 9897185208, 9152911899 **दिल्ली–Ankit Sisodia** GF-89, kailash Hills, East of Kailash New Delhi-110065, **श्रीमती रंजीता गर्ग, बी–120,** शॉप नं0 5, पांडव नगर दिल्ली–92 **मो0 9911808555, लखनऊ**– अजय श्रीवास्तव, 3/20, विकास नगर लखनऊ। फोनः 9335208218, **मुम्बई–अचल गुप्ता, बी 1603 सनटैक सिटी गोरेगांव वेस्ट 9920939916, सरधना**– महेश गुप्ता, न्यूज पेपर एजेन्ट मोहल्ला–गुजरान, सरधना, मेरठ। **हैदराबाद**– श्रीमति नेहा गोयल फ्लैट नं0 1207 गो–मेड ब्लॉक 'माई होम जैवल' मदीनागुड़ा हैदराबाद– 500049

डाक पंजीकरण संख्या–मेरठ–**153-2022-24 RNI No. UPHIN/2009/31760** मालिक, प्रकाशक, मीना भूषण ने मुद्रक अभिषेक प्रिंटर्स, पी. एल. शर्मा रोड, मेरठ से मुद्रित कराकर श्रीकृष्ण भवन, गली अपोजिट शिवलोक कॉम्पलैक्स, 229, वैस्टर्न कचहरी रोड, मेरठ से प्रकाशित किया। सम्पादकः सुनीता रानी

इच्छाओं और जरूरतों का समाधान
हिन्दी साप्ताहिक श्रम शिखर CITY MEERUT CLASSIFIED
www.shramshikhar.in, shramshikhar@gmail.com
EDUCATION
शिक्षा कार्यः– शिक्षा संबंधित जानकारियों और विभिन्न कोर्सों के विज्ञापन हेतु आवश्यकता/उपलब्धता

झाड़ू को लक्ष्मी क्यों कहा जाता है

झाड़ू को लक्ष्मी जी इसलिए कहते हैं क्योंकि झाड़ू को लक्ष्मी का वरदान मिला हुआ है, झाड़ू का स्थान हमारे घर में बहुत ही महत्वपूर्ण होता है वह हमारे घर मैं बहुत अधिक महत्व रखती है उसी के बारे में मैं कुछ बातें बताने जा रही हूं।

अगर कोई व्यक्ति घर से बाहर जा रहा होता है ,तो उसके बाद में झाड़ू नहीं लगानी चाहिए ।झाड़ू को घर में छुपा कर रखना चाहिए ,इधर उधर कहीं भी नहीं रखनी चाहिए,किसी भी बाहर वाले व्यक्ति को आने पर झाड़ू नहीं देखनी चाहिए ।

झाड़ू के कभी भी पैर नहीं लगाने चाहिए, और सबको सीधा खड़ा नहीं रखना चाहिए ,झाड़ू में मां लक्ष्मी का वास होता है अगर गलती से कभी पैर लग भी जाए तो उसको प्रणाम करना चाहिए।

झाड़ू का हमें आदर करना चाहिए ,ज्यादा पुरानी टूटी–फूटी झाड़ू का इस्तेमाल घर में नहीं करना चाहिए, इससे घर में रोजगार धंधे में वृद्धि नहीं होती है , नई झाड़ू का इस्तेमाल हमें शनिवार को ही करना चाहिए ,और उसे छुपा कर रखनी चाहिए । घर के मुख्य द्वार ,छत पर बिल्कुल भी नहीं रखनी चाहिए ।

झाड़ू को कभी भी किचन में नहीं रखना चाहिए घर में दरिद्रता आती है ,झाड़ू को कभी भी बेडरूम में नहीं रखना चाहिए इससे पति–पत्नी के बीच में झगड़े होने की पूरी संभावना रहती है ।

सूर्यास्त के बाद कभी भी झाड़ू पोछा नहीं करना चाहिए , झाड़ू पर कभी भी गलती से भी पैर नहीं रखना चाहिए क्योंकि झाड़ू में लक्ष्मी मां का वास होता है वह मां लक्ष्मी को अति प्रिय है और उनका एक हाथ में झाड़ू रहती है।

झाड़ू को कभी भी गीली नहीं रखनी चाहिए, झाड़ू से कभी भी किसी व्यक्ति या जानवर को नहीं मारना चाहिए,नए घर में अगर प्रवेश कर रहे हैं तो नई झाड़ू जरूर खरीदना चाहिए ।

झाड़ू से कभी भी झुठन साफ नहीं करनी चाहिए, ना ही झाड़ू को कभी उलगना चाहिए,अमावस्या या शनिवार को पुरानी झाड़ू टूटी–फूटी झाड़ू को घर से बाहर फेंकना चाहिए। गुरुवार या शुक्रवार को कभी भी झाड़ू को नहीं फेकनी चाहिए ,या घर से बाहर नहीं निकालनी चाहिए , नहीं तो मां लक्ष्मी भी घर से चली जाएगी।

धर्मात्मा मनुष्य को दुख क्यों मिलता है और पापी मजा क्यों करते?

ऐसा कभी हुआ ही नहीं। अगर दुख मिल रहा हो धर्मात्मा को, तो वह छिपे पापी हैं और कुछ भी नहीं। और अगर पापी आनंद कर रहा हो, तो तुम्हारे समझने में कहीं भूल हो गयी है, वह पापी नहीं है। पाप से और आनंद मिलता ही नहीं, मिल ही नहीं सकता। अगर तुम पाओ कि कोई चोर बड़ा सुखी है, तो उसका मतलब इतना ही हुआ कि चोरी के अतिरिक्त भी उसमें कुछ और गुण होंगे जिनके कारण सुख मिल रहा हैकृचोरी से कैसे सुख मिल सकता है? हो सकता है साहसी हो। चोर अक्सर साहसी होते हैं। दुनिया में सौ मे निन्यानबे आदमी इसीलिए चोर नहीं हैं कि साहस नहीं है और कोई खास बात नहीं है। कोई गुण वगैरह नहीं है, कोई नीति वगैरह नहीं है, सिर्फ कमजोर हैं, काहिल हैं, नपुंसक हैं, चोरी करने से डरते हैं, कि कहीं पकड़े न जाएं। तुम भी जरा सोचो, अगर तुम्हें कोई बिलकुल गारंटी दे दे कि तुम पकड़े नहीं जाओगे, फिर तुम चोरी करोगे कि नहीं? पकड़े जाओगे ही नहीं, इसकी पक्की गारंटी है, तो तुम फिर कहोगे, फिर क्यों नहीं करनी, फिर कर ही लें। तो तुम इतने दिन से जो चोरी नहीं कर रहे थे, वह चोरी गलत है इस कारण नहीं, बल्कि पकड़े जाने का भय है। प्रतिष्ठा पर दाग लगेगा, बेइज्जती होगी, लोग क्या कहेंगे, कि आप और चोर! अहंकार को चोट लगेगी, बस, उसी डर से रुके थे।

सौ अचोरों में निन्यानबे सिर्फ भय के कारण अचोर हैं, इसलिए दुख पाएंगे। वे सोचेगे कि हम चोरी नहीं कर रहे और दुख क्यों पा रहे हैं? चोर तो हो ही तुम, चोरी की या नहीं, इससे थोड़ी ही कोई चोर होता है! चोर होना तुम्हारी चेतना की दशा है।

नसरुद्दीन एक ट्रेन में सफर करता था। उस डिब्बे में दो ही थे, वह था और एक सुंदर स्त्री थी। उसने सुंदर स्त्री को कहा कि अगर मैं हजार रुपए दूं तो रात मेरे साथ सोओगी? उस स्त्री ने कहा, तुमने मुझे समझा क्या है? चेन खींच दूंगी, पुलिस को बुलाऊंगी। उसने कहा, नाराज न होओ, मैं तो सिर्फ एक निवेदन किया। अगर दस हजार दूं तो? स्त्री शांत हो गयी, फिर उाने नहीं चिल्लाया। उसने कहा कि पुलिस को बुलाऊंगी और चेन खींच दूंगी, मुल्ला ने कहा, दस हजार? तो उसने कहा, दस हजार के लिए मैं राजी हो सकती हूंय मुल्ला ने कहा, ठीक, और अगर दस रुपया दूं? तब तो वह स्त्री एकदम खड़ी हो गयी, उसने कहा, अभी चेन खींचती हूंयअभी पुलिस को बुलाती हूं। पर मुल्ला ने कहा, यह क्या बात हुई? उस स्त्री ने कहा, आप जानते नहीं मैं कौन हूं? मुल्ला ने कहा, मैं समझ गया तुम कौन हो, अब तो हम मोलकृ भाव कर रहे हैं। दस हजार में जब तुम सोने को राजी हो तो यह तो मैं जान ही गया कि तुम कौन हो, अब तो सिर्फ मोलकृ भाव की बात है कृ तो मैं व्यापारी आदमी हूं! वह तो मैंने दस हजार इसीलिए कहे थे कि पहचान लूं कि तुम हो कौन। वह बात खतम हो गयी, वह निर्णय हो चुका, अब नाहक चेन वगैरह न खींचो, बैठोयअब तो मोलकृ भाव कर लें बैठकर, जो भी तय हो जाए, ठीक है। तुम भी सोच लेना, तुम्हारी जीवनकृदशा तुम्हारी चोरी करने से चोर की नहीं होती, चोरी की वृत्ति! उस वृत्ति के कारण तुम दुख पाते हो। और हो सकता है चोर अगर सुख पा रहा है तो जरूर उसमें कुछ होगा, कुछ होगा जिससे सुख आता हैकृसाहस होगा, बल होगा, दाव पर लगाने की हिम्मत होगी, निश्चित मन होगा कि हो जो हो। दुनिया क्या कहती है, इसकी फिकर न करता होगा। थोड़ी बगावती दशा होगी। कुछ होगा उसके भीतर, कुछ गुण होगा जिसके कारण सुख मिलता है।

तुम्हारा महात्मा है, तुम कहते हो, महात्मा है, बड़ा दुख पा रहा है। लेकिन दुख पाएगा तो सबूत है कि कहीं कुछ बात होगी। कभी महात्मा दुख नहीं पातायपा नहीं सकता, क्योंकि दुख छाया है झूठ की। दुख छाया है असत्य की। दुख छाया है माया की। अब अगर महात्मा दुख पा रहा है तो कहीं न कहीं कोई भ्रांति है, महात्मा है नहीं। और अगर कहीं कोई पापी आनंद पा रहा है, तो वहां भी तुम्हारी समझ में कुछ भूल हो गयी है। फिर से देखना, गौर से देखना।

कभीकृकभी शराबियों में ऐसे सज्जन मिल जाते हैं, जो सज्जनों में न मिलें। अक्सर शराबी जितने सरल होते हैं, उतने सज्जन नहीं होते। सरलता आनंद लाती है। अगर कोई सरलता की वजह से शराब पी रहा है तो निश्चित ही आनंद होगा। और अगर कोई सिर्फ स्वर्ग पाने के लिए शराब नहीं पी रहा है, तो आनंद नहीं हो सकता। क्योंकि वहा वासना है। सरलता नहीं है, गणित है, चालबाजी है। वह आदमी होशियार है। वह कह रहा है, स्वर्ग जाना है मुझे। स्वर्ग जाना है तो इतना चुकाना पड़ेगा।

तुम अपने भीतर ही परीक्षण करो और तुम पाओगे जब भी तुम सच के अनुकूल होते हो, तत्क्षण वर्षा होती है आनंद की। धूप खिल जाती है, फूल उमग आते हैं, सुवासित हो जाते हो।

एकान्त

ऐसे रहो, जैसे तुम अकेले हो कहीं भी रहोकृऐसे रहो, जैसे तुम अकेले हो। न कोई संगी है, न कोई साथी। भीड़ में भी रहो, तो अकेले रहो। परिवार में भी रहो, तो अकेले रहो। इस बात को जानते ही रहो भीतर, एक क्षण को यह सूत्र हाथ से मत जाने देना। एक क्षण को भी यह भांति पैदा मत होने देना कि तुम अकेले नहीं हो, कि कोई तुम्हारे साथ है।

यहां न कोई साथ हैय न कोई साथ हो सकता है। यहां सब अकेले हैं। अकेलापन आत्यंतिक है। इसे बदला नहीं जा सकता। थोडीकृबहुत देर को भुलाया जा सकता है, बदला नहीं जा सकता। और सब भुलावे एक तरह के मादक द्रव्य हैं। एक प्रकार के नशे हैं। कैसे तुम भुलाते हो, इससे फर्क नहीं पड़ता। कोई शराब पीकर भुलाता है। कोई धन की दौड़ में पड़कर भुलाता है। कोई पद के लिए दीवाना होकर भुलाता है। कैसे तुम भुलाते हो, इससे फर्क नहीं पड़ता। लेकिन थोड़ी देर को भुला सकते हो। बस। और जब भी नशा उतरेगा, अचानक पाओगे अकेले हो।

संन्यासी वही है, जो जानता है कि मैं अकेला हूं और भुलाता नहीं अपने अकेलेपन को। भुलाना तो दूर, अपने अकेलेपन में रस लेता है। और प्रतीक्षा करता है कि कब मौका मिल जाए कि थोड़ी देर अपने अकेलेपन का स्वाद लूं। थोड़ी देर आंख बंद करके अपने में डूब जाऊं, अकेला रह जाऊं। वही मेरी नियति है। वही मेरा स्वभाव है। उसी स्वभाव से मुझे पहचान बनानी है।

दूसरों से पहचान बनाने से कुछ भी न होगाय अपने से पहचान बनानी है। दूसरों को जानने से क्या होगा? अपने को ही न जाना और सबको जान लिया, इस जानने का कोई मूल्य नहीं है। मूल में तो अज्ञान रह गया।

दीवारों, छतों पर खेती
(फार्मिंग)
★ सुन्दरता ★ प्रकृति की नजदीकी
★ ऑक्सीजन बढ़ायें ★ सब्जियां उगायें
★ किचन फार्मिंग शौक का लाभ
★ वर्टिकल गार्डन (आर्गेनिक खेती)
★ हाइड्रोपोनिक्स (पानी में खेती)
सम्पर्क: स्वामी आत्मोकामरान, मो0 9412843670
सद्भावना समिति (पंजी0), श्रीकृष्ण भवन, 283, वैस्टर्न कचहरी रोड, मेरठ
sadbhawnaa.com

मटर की खेती के लिए सुझाव, मटर की अच्छी पैदावार के लिए खाद एवं उर्वरक कितना दे

मटर में सामान्यतरू अनुशंसित उर्वरक नाइट्रोजन, फास्फोरस एवं पोटाश की मात्रा क्रमशरू 40रू60रू50 किग्रा प्रति हेक्टेयर होती है। मटर दलहनी फसल होने के कारण इसमें अधिक नाइट्रोजन आवश्यकता नहीं होती है नाइट्रोजन की उच्च खुराक गांठ निर्माण और नाइट्रोजन स्थिरीकरण पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है। फॉस्फेटिक उर्वरक नाइट्रोजन स्थिरीकरण और गांठ गठन को बढ़ाकर उपज और गुणवत्ता बढ़ाता है। पोटेशियम उर्वरक पौधों की नाइट्रोजन स्थिरीकरण क्षमता और उपज को भी बढ़ाते हैं। इसमें नाइट्रोजन की 25 प्रतिशत मात्रा एवं फास्फोरस एवं पोटाश की 50 प्रतिशत मात्रा बुआई के समय देना पर्याप्त होता है जबकि शेष मात्रा 45 दिनों बाद फर्टिगेशन विधि द्वारा शत प्रतिशत घुलनशील रसायनिक उर्वरको के माध्यम से दिया जाना चाहिए।

सिंचाई कब और कितनी बार करें

मटर, किसी भी फलदार सब्जी की तरह, सूखे और अत्यधिक सिंचाई के प्रति संवेदनशील है। परंपरागत रूप से मटर में बहाव अथवा नाली पद्धति द्वारा सिंचाई की जाती है। अच्छे अंकुरण के लिए बुवाई से पहले पलेवा किया जाना चाहिए। सामान्यतरू पहली सिंचाई फूल आने के समय और दूसरी पॉड बनाने के समय और बाकी की सिंचाइयाँ 15 दिन के अंतराल पर प्रदान की जाती हैं। अत्यधिक सिंचाई से पौधों में पीलापन बढ़ जाता है और उपज में कमी आती है। परंपरागत सिंचाई से पानी का हानि होती है, पंपिंग के लिए ऊर्जा उपयोग बढ़ता है, नाइट्रोजन और अन्य सूक्ष्म पोषण तत्वों का लीचिंग होती है। उचित सिंचाई प्रबंधन करने से पारंपरिक सिंचाई के नकारात्मक प्रभाव कम किया जा सकता है। अनुसन्धान में पाया गया है कि दबाव युक्त सिंचाई प्रणालियों सूक्ष्म फव्वारा एवं टपक सिंचाई प्रणाली द्वारा जल एवं कृषि रसायनों का उचित उपयोग कर उत्पादन में ४०–७० प्रतिशत तक वृद्धि कि जा सकती है।

सूक्ष्म फव्वारा सिंचाई विधि में पानी का छिड़काव प्रेशर वाले छोटे नोजल से होता है। इस विधि में पानी महीन बूँदों में बदलकर वर्षा की फुहार के समान पौधों के ऊपर गिरता है। मटर की फसल में 40 लीटर प्रति घंटा स्त्राव दर वाले सूक्ष्म स्प्रिंकलर का उपयोग किया जा सकता है। इस विधि से सिंचाई हेतु माइक्रो स्प्रिंकलर हेड के बीच की दूरी 2.5 मीटर एवं लेटरल से लेटरल की दूरी 2.5 रखनी चाहिए। माइक्रो स्प्रिंकलर के बीच की दूरी इसकी स्त्राव दर एवं वेटेड त्रिज्या पर निर्भर करती है।

टपक सिंचाई विधिरू मटर की फसल में टपक सिंचाई प्रणाली हेतु पौध की कतारों के बीच 16 एम. एम. व्यास की 2 लीटर प्रति घंटा स्त्राव वाली लेटरल जिसमे ड्रिपर से ड्रिपर के बीच की दूरी 30 सेंटीमीटर से 40 सेंटीमीटर हो उपयोग की जाती है। इस विधि में प्रतिदिन अथवा एकदिन के अंतराल में पानी दिया जाता है।

प्लास्टिक मल्चिंगरू मटर की फसल में टपक सिंचाई प्रणाली के साथ मल्व का उपयोग जल के कुशल उपयोग एवं उपज में वृद्धि के लिए सहायक है। अनुसंधान में मटर की फसल में २३–३० माइक्रोन मोटाई की प्लास्टिक मल्चिंग को अत्यंत प्रभावशाली पाया गया है। इसके उपयोग द्वारा मटर की उपज में ६०–८० प्रतिशत तक वृद्धि देखी गयी है। प्लास्टिक मल्चिंग द्वारा फसल में खरपतवार नियंत्रण एवं मृदा के कटाव को रोका जा सकता है। प्लास्टिक मल्चिंग मिट्टी की संरचना में सुधार करती है जोकि जड़ो के विकास के लाभदायक है।

मटर में बुआई कब करें एवं बीज दर क्या होनी चाहिए

सीड बैड तैयार करने के लिए मिट्टी पलटने वाले हल से जुताई करने के बाद एक या दो हैरो चलाकर बारीक जुताई की जाती है। गोबर की खाद 15–20 टन प्रति हेक्टेयर की दर से अंतिम जुताई से पहले मिटटी में अच्छी तरह मिला देना चाहिए। बीजों को समतल या ऊंची क्यारियों में 4–5.0 सेमी गहराई पर फैलाकर या डिबलिंग करके बोया जाता है।

बीज दर रू मल्चिंग में मटर लगाने हेतु बेड 60–90 सेंमी चौड़ाई एवं 15–20 सेंमी ऊंचाई का होना चाहिए। मटर की समय पर बुआई के लिए 70–80 किलोग्राम बीज प्रति हेक्टेयर पर्याप्त होता है। प्रारंभिक किस्मों के लिए बीज दर 100–120 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर एवं पछेती किस्मों के लिए बीज दर 80–90 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर होती हैं।

मटर में कतार से कतार की दूरी 30–45 सेंमी एवं पौधे से पौधे की दूरी 15–20 सेंमी रखनी चाहिए। बीजों को बुवाई से पहले कप्तान या थीरम 3 ग्राम या कार्बेनडाजि”म 2.5 ग्राम से प्रति किलो बीज का उपचार करें। रासायनिक तरीके से उपचार के बाद वायुमण्डलीय नत्रजन के स्थिरीकरण के लिये के लिए बीजो को एक बार राइजोबियम कल्चर से बीज को उपचारित करके बोना चाहिए।

प्रमुख किस्में

मटर की फसल हेतु उपयुक्त किस्मे हैं झ जे. एम. –6, प्रकाश, के. पी. एम. आर. 400, आई. पी. एफ. डी. झ 99–13, जवाहर मटर 1, जवाहर मटर 2, जवाहर मटर 83, पंत माता, हिसार हरित, पंत उपहार, अपर्णा, पूसा प्रभात, पूसा पन्ना, आर्केल, बॉनविले आदि

मटर की तुड़ाई कब करें

ताजा बाजार के लिए मटर की कटाई तब की जाती है जब वे अच्छी तरह से भर जाती हैं और जब उनका रंग गहरे हरे से हल्के हरे रंग में बदल जाता है। आमतौर पर 10 दिनों के अंतराल पर 3–4 कटाई संभव है। फली की पैदावार किस्म की अवधि के साथ बदलती रहती है और शुरूआती किस्मों के लिए 2.5–4.0 टनध्हेक्टेयर, मध्य सीजन की किस्मों के लिए 6. 0–7.5 टनध्हेक्टेयर और देर से आने वाली किस्मों के लिए 8.0–10.0 टनध्हेक्टेयर होती है। कटाई के बाद मटर को बोरियों या बक्सों में पैक किया जाता है। मटर पर विभिन्न सिंचाई पद्धतियों पर किये गए प्रयोग द्वारा प्राप्त उपज को नीचे तालिका में दशार्या गया है।

कृषि क्षेत्र की विकास दर में कमी की संभावना

कृषि क्षेत्र की विकास दर में कमी की संभावना, 1.8 प्रतिशत रह सकती है वृद्धि दर झ राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय की ओर से जारी किए गए आंकड़े के मुता. बिक, बेमौसम और औसत से कम बारिश के चलते 2023–24 में करीब सभी खरीफ फसलों पर असर पड़ा है. इससे उत्पादन में गिरावट आई है. वहीं, रबी फसलों के रकबे में भी पिछले साल के मुकाबले गिरावट आई है। वित्त वर्ष 2023–24 के तीन शेष महीनों में भारत की विकास दर 7.3 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है. जबकि एक साल पहले देश का ग्रोथ रेट 7.2 प्रतिशत था. विशेषज्ञों का कहना है कि माइनिंग, मैन्युफैक्चरिंग, उत्खनन और सर्विस सेक्टर में बेहतरीन प्रदर्शन की वजह से विकास दर में तेजी आएगी. लेकिन किसानों के लिए चिंता का विषय है. खरीफ फसल के उत्पादन में गिरावट आने और रबी फसल का रकबा सिकुड़ने से कृषि सेक्टर की विकास दर एक साल पहले के 4 प्रतिशत घटकर इस वर्ष 1.8 फीसदी पर पहुंच सकता है। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि सकल मूल्यवर्धन (जीवीए) के आंकड़ों में बदलाव हो सकता है. इसका मुख्य कारण यह है कि ये अनुमान पिछले 5–6 महीनों के आंकड़ों के आधार पर जारी किए जाते हैं. ऐसे में कृषि सेक्टर की विकास दर को लेकर अंतिम तस्वीर फरवरी महीने में आ. सकती है।

बेमौसम बारिश का फसलों पर असर : राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय की ओर से जारी किए गए आंकड़े के मुताबिक, बेमौसम और औसत से कम बारिश के चलते 2023–24 में करीब सभी खरीफ फसलों पर असर पड़ा है. इससे उत्पादन में गिरावट आई है. वहीं, रबी फसलों के रकबे में भी पिछले साल के मुकाबले गिरावट आई है. खास कर मिट्टी में नमी कम होने के कारण किसानों ने इस बार काफी कम रकबे में चने की बुवाई की है. यही वजह है कि कृषि, बागवानी और मछली पालन सेक्टर का जीवीए वित्त वर्ष 2024 में 5.5 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है, जबकि वित्त वर्ष 2023 में यह 12.1 प्रतिशत था।

चावल उत्पादन में गिरावट : इस साल चावल के उत्पादन में 3.79 प्रतिशत की गिरावट आई है. इससे चावल का प्रोडक्शन गिरकर 1,063.1 लाख टन रह सकता है. जबकि पिछले साल चावल का अंतिम अनुमान में 1,105.0 लाख टन था. वहीं, राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के अनुमान से पता चलता है कि इस साल चना, मूंग, उड़द, सोयाबीन और गन्ने के उत्पादन में गिरावट आ सकती है।

गोभीवर्गीय सब्जियों के हानिकारक कीट एवं प्रबंधन

गोभीवर्गीय सब्जियों के हानिकारक कीट एवं प्रबंधन झ भारत को विश्व में गोभीवर्गीय सब्जियों के उत्पादन करने वाले देशों में द्वितीय स्थान प्राप्त है। गोभीवर्गीय सब्जियां शीतऋतु एवं ग्रीष्मऋतु में उगाई जाने वाली प्रमुख फसलें हैं जैसे पत्तागोभी, फूलगोभी एवं गांठगोभी। गोभीवर्गीय सब्जियों को क्षति पहुंचाने वाले प्रमुख हानिकारक कीट जैसे हीरक पृष्ठ शलभ, पत्तागोभी की तितली, पत्तगोभी की अर्धकुण्लाकार इल्ली, तम्बाकू की इल्ली, माहू एवं चित्तीदार मत्कुण आदि हैं जो इस प्रकार के सब्जियों के उत्पादन को कम करने वाले मुख्य कारक हैं। अतरू इन हानिकारक कीटों को समय पर पहचान कर उनके उचित प्रबंधन उपाय को अपनाकर इसके द्वारा होने वाले आर्थिक नुकसान से फसल को बचाया जा सकता है और किसान भाई इस प्रकार अधिक उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं।

हीरक पृष्ठ शलभ (प्लुटेल्ला जाइलोसटेल्ला)

इस कीट के वयस्क शलभ भूरे रंग की होती हैं जिसके पंख संकरी भूरे सफेद तथा इनके पृष्ठ भाग में हीरे जैसे सफेद धब्बे पंखों के सिकुड़ने पर बनती है जिसके कारण इसे डायमंड बैक मॉथ कहते हैं। इसकी इल्ली अवस्था जब पूर्ण विकसित हो जाती है तो 8 मि.मी. लम्बी एवं हल्के पीले हरे रंग की जिसके शरीर पर कत्थई बालों के जैसे रोम होते हैं।

क्षतिरू इस कीट की सिर्फ इल्ली अवस्था ही हानिकारक होती है। प्रारंभ में छोटी हरी इल्लियां पत्तियों के इपिडर्मिस को खुरचकर खाती हैं जिससे पत्तियों में सफेद धब्बे बन जाते हैं तथा पूर्ण रूप से विकसित इल्लियां पत्तियों में छिद्र कर फसल को नुकसान करती हैं। अधिक आक्रमण होने पर पूरी पत्तियां कंकालनुमा हो जाती हैं। यह कीट पत्तागोभी, फूलगोभी एवं गांठगोभी को अत्यधिक नुकसान पहुंचाती है।

नियंत्रणरू फसल के कटाई उपरान्त पौधों के अवशेषों को एकत्र कर नष्ट कर दें। सरसों को प्रपंच फसल के रूप में पत्तागोभी एवं सरसों को 2रू1 के अनुपात में, जिसमें सरसों को मुख्य फसल से 10 दिन पहले लगाने से हीरक पृष्ठ शलभ मादा कीट अपने अण्डों का निरोपण सरसों पर कर देती हैं जिन्हें उपयुक्त कीटनाशक दवाईयों का छिड़काव कर नष्ट कर दें। वयस्क कीटों को आकर्षित करने के लिए फेरोमोन प्रपंचों को 12 नग प्रति हेक्टेयर के दर से लगायें। एक ही कुल के फसल को लगातार एक ही खेत में लगाने से बचें।

नीम के बीज को सुखाकर उसके सत्व का 5 प्रतिशत प्रति हेक्टेयर में छिड़काव करें। बेसिलस थूरेन्जेनेसिस कुर्सटकी नामक जैविक कीटनाशक दवाई 2 ग्राम या ट्रायक्लोरोफेन 50 ई. सी. का 1 मिलीध्लीटर या इमामेक्टिन बेन्जोएट 5 प्रतिशत को 0.4 ग्रामध्लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें। जैविक प्रबंधन हेतु खेत में प्राकृतिक शत्रुओं जैसे सिरफिड मक्खी, काक्सीनेलिड भृंग एवं मकड़ियों को संर्वधन करें।

पत्तागोभी की तितली (पाइरिस ब्रेसीकी)

वयस्क तितली कीट 5 से 7 सेंटीमीटर लम्बी एवं पीला–सफेद रंग की होती है जिसके अग्र पंख के किनारे पर काले धब्बे एवं मादा वयस्क कीट के अग्र पंख पर 2 काले धब्बे पायी जाती है। इनके इल्लियां नीले हरे रंग होती हैं जिनके शरीर पर काले धब्बे पाये जाते हैं।

क्षतिरू इस कीट की क्षतिकारक अवस्था इल्ली होती है। प्रथम इन्सटार की इल्ली पत्तियों के ऊपरी सतह से इपिडरमिस को खुरचकर खाती है एवं पूर्णविकसित इल्लियां पत्तियों के किनारे से खाती हैं। इस कीट के द्वारा अधिक नुकसान करने पर ग्रसित पत्तियों के सिर्फ मुख्य शिरायें ही दिखायी देती हैं।

नियंत्रणरू शुरुआती अवस्था में अंडा निरोपित पत्तियों को एवं इल्लियों के समूह को एकत्र कर नष्ट कर देने से इसके द्वारा होने वाली आर्थिक क्षति से फसल को बचाया जा सकता है। खेत में इसके परिजीविव्याम कीट जैसे कोटेशिया ग्लोमेराटा का संवर्धन करें। रासायनिक कीटनाशक दवा फेनवलरेट 1 मि.ली. या ट्रायजोफास 40 ई.सी. 1. 5 मि.ली. या कारटाप हाइड्रोक्लोराइड 2 मि.ली. मात्रा को प्रति लीटर पानी में मिलाकार छिड़काव करें।

पत्तगोभी की अर्धकुण्लाकार इल्ली (थायसेनोप्लूसिया ओरीचौल्सिया)

इस कीट की इल्ली थोड़ा हरे रंग की एवं शरीर के दोनों तरफ एक–एक सफेद धारी होती है। वयस्क कीट लंबाई में लगभग 25 मिमी पंख विस्तार सहित होती है। इसके पंख भूरे मटमैले एवं अग्रपंखों पर एक सुनहरे चमकदार धब्बा पाया जाता है।

क्षतिरू इस कीट की हानिकारक अवस्था इल्ली होती है जो प्रांरभ में पत्तियों पर छिद्र बनाकर नुकसान करती है तथा अत्यधिक आक्रमण होने पर पूरे पत्ती के हरे भाग को खा जाती है तथा शेष शिरायें ही दिखायी देती हैं।

नियंत्रणरू भूमि में पड़े संखी अवस्था को नष्ट करने हेतु गहरी जुताई करें। प्रारंभ में खेत में इल्लियों के दिखायी देने पर उन्हें पकड़ कर नष्ट कर दें। वयस्क कीटों को आकर्षित करने हेतु प्रति हेक्टेयर के हिसाब से एक प्रकाश प्रंपच लगायें। वयस्क नर कीटों के आकर्षित करने हेतु फेरोमोन प्रपंच को 15 नग प्रति हेक्टेयर की दर से लगभग 15 मीटर की दूरी पर खेत में लगायें। कीटनाशक रसायन क्लोरोपायरीफास 20 ईसी को 2 लीटर या अधिक आक्रमण होने पर प्रोफेनोफॉस़साइपरमेथ्रिन 44 ई.सी. 1 लीटर प्रति हेक्टेयर के हिसाब से छिड़काव करें।

माहू या चेंपा (ब्रेविकारनी ब्रेसिकी)

इस कीट के शरीर का आकार नाशपाती के फल जैसे होते हैं। इस कीट के शीशु अवस्था प्रारंभ में हरा फिर पीलापन तथा वयस्क कीट के शरीर का रंग पीला–हरापन लिए हुए होती है तथा इनके आठवें खंड के उदरीय भाग पर एक जोड़ी कोर्निकल्स पायी जाती है जो कि शहद जैसी तरल पदार्थ स्त्रावित करती हैं जो बाद में कवक बीमारी फैलाती हैं। वयस्क कीट पंखहीन एवं पंखयुक्त दोनों प्रकार के होते हैं, पंख हरे रंग के होते हैं।

क्षतिरू इस कीट के शीशु एवं वयस्क दोनों ही अवस्थायें फसल को नुकसान पहुंचाती हैं। इस कीट के मुखांग चुभाने एवं चूसने वाले होते हैं जिससे ये पत्तियों से रस चूसकर फसल को गोभीवर्गीय सब्जियों को हानि पहुंचाती हैं जिसके कारण ग्रसित पौधे पीलापन लिये सिकुड़ जाती हैं एवं पौधों की वृद्धि रूक जाती है। पौधों पर कीटों की संख्या ज्यादातर पत्तियों की निचले सतह एवं शीर्ष पर पाये जाते हैं।

नियंत्रणरू पंखयुक्त वयस्क कीटों को मारने हेतु पीलापान स्टीकी ट्रेप (चिपचिपा प्रपंच) लगायें। अधिक प्रकोप होने पर दैहिकध्सर्वांगी रासायनिक कीटनाशक दवाई जैसे डाइमेथोयेट 30 ईसी का 2 मिली या एसिटामप्रिड 20 एस पी का 0.2 ग्राम प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें। यदि आवश्यक हो तो 15 दिन बाद इनमें से किसी एक दवा का फिर से छिड़काव करें।

इच्छाओं और जरूरतों का समाधान
हिन्दी साप्ताहिक श्रम शिखर CITY MEERUT CLASSIFIED
www.shramshikhar.in, shramshikhar@gmail.com
MATRIMONIAL